डिजिटल अरेस्ट के पीड़ितों में 60 प्रतिशत रिटायर्ड अधिकारी

- अकेलेपन और सामाजिक दूरी का फायदा उठाते हैं ठग
- महिलाएं भी रहती हैं इनके निशाने पर

नव भारत न्यूज

इंदौर. साइबर अपराधियों की नई तरकीब 'डिजिटल अरेस्ट' लगातार बड़ी संख्या में लोगों को जाल में फंसा रही है. चिंताजनक बात यह है कि पीड़ितों में सबसे बड़ी संख्या रिटायर्ड अफसरों की है. राज्य साइबर सेल के आंकड़ों के अनुसार ऐसे मामलों में 60 प्रतिशत शिकार बुजुर्ग ही बन रहे हैं. पुलिस का कहना है कि सामाजिक रूप से अलग-थलग रहना, अकेले रहना और बच्चों का बाहर होना ठगों का आसान लक्ष्य बना देता है.

राज्य साइबर सेल के समक्ष पिछले दो दिनों में डिजिटल अरेस्ट के दो नए और गंभीर मामले सामने आए

हैं. एक केस में रिटायर्ड मेडिकल अधिकारी अपनी जीवनभर की कमाई के सवा चार करोड़ रुपये खो बैठे. वहीं, दूसरे मामले में रिटायर्ड बैंक अधिकारी और उनकी पत्नी, जो रिटायर्ड प्रिंसिपल हैं तीन दिन की मानसिक कैद से बाल-बाल बचे. अखबार में छपी खबर पढ़कर उन्होंने साइबर सेल से संपर्क किया. महिला टीआई वर्दी में घर पहुंचीं तो ठगों ने तुरंत कॉल काट दिया और मामला वहीं शांत हो गया.

पिछले वर्ष डिजिटल अरेस्ट की 25 शिकायतें हुई थीं दर्ज

पिछले वर्ष क्राइम ब्रांच में लगभग 25 डिजिटल अरेस्ट शिकायतें दर्ज हुई थीं, जिनमें करीब 60 प्रतिशत पीड़ित रिटायर्ड अधिकारी थे. कुछ उद्योगपति महिलाओं समेत पांच महिलाएं भी इस ठगी का शिकार बनीं. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ज्यादातर पीड़ित अकेले रहते हैं, जिससे ठगों का दबाव और भय दिखाने वाली तकनीक उन पर जल्दी काम कर जाती है. पुलिस ने पिछले वर्ष प्रदेश स्तर पर डिजिटल अरेस्ट से जुड़े फर्जीवाड़े के खिलाफ बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया था. इसका असर यह रहा कि इस साल अब तक क्राइम ब्रांच के पास ऐसे सिर्फ पांच-छह ही मामले पहुंचे. लगभग आधा दर्जन लोगों को समय रहते बचाया भी गया.

पुलिस की सक्रियता से कई बुजुर्ग ठगी का शिकार होने से बचे

पुलिस द्वारा बैंक अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए थे कि यदि कोई बुजुर्ग अचानक बड़ी राशि निकालने आए तो तुरंत पुलिस को सूचना दी जाए. इसी सतर्कता के चलते तुकोगंज क्षेत्र की एक रिटायर्ड महिला अधिकारी को एडीसीपी राजेश दंडोतिया ने मौके पर पहुंचकर ठगी से बचाया था. इसी तरह इस वर्ष होटल और घरों से कुल पांच अन्य लोगों को भी पुलिस समय रहते डिजिटल अरेस्ट के जाल से निकाल चुकी है, कुल मिलाकर डिजिटल अरेस्ट के मामलों में अब तक 60 प्रतिशत रिटायर्ड अधिकारी रहें हैं, जिनकी अकेलेपन और सामाजिक दूरी का फायदा ठगों ने उठाया.

लोधिया कुंड में पिकनिक के दौरान छात्र की डूबने से मौत

- दो साथी मौके पर मौजूद थे, लेकिन छात्र को बचाया नहीं जा सका
- लोधिया कुंड में पहले भी हो चुके तीन-चार हादसे

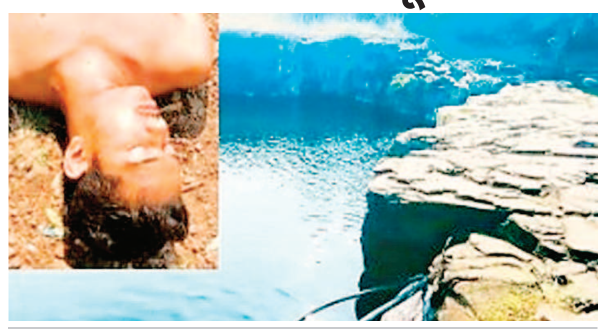

इंदौर. सिमरोल क्षेत्र के लोधिया कुंड में एक बार फिर लापरवाही जानलेवा साबित हुई. रीवा का रहने वाला 22 वर्षीय छात्र अपने दो साथियों के साथ पिकनिक मनाने पहुंचा था, जहां नहाते समय उसका पैर फिसला और वह गहरे पानी में समा गया. पुलिस और ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद शव बाहर निकाला.

पुलिस के अनुसार, श्रेयांश पिता आनंदीलाल गुप्ता, निवासी रीवा, होलकर साइंस कॉलेज में पढ़ाई के साथ पीएससी की तैयारी कर रहा था. वह भोलाराम उस्ताद मार्ग पर किराए के कमरे में रहता था. रविवार को वह एक युवक और एक युवती के साथ सिमरोल से करीब 10 किमी अंदर लोधिया कुंड पहुंचा, जहां नहाते समय उसका संतुलन बिगड़ा और वह गहराई में डूबने लगा. उसके साथी युवक ने हाथ पकड़कर बचाने की कोशिश की, लेकिन वह खुद भी पानी में डूबने लगा. युवती ने उसे खींचकर बाहर निकाला, लेकिन श्रेयांश को नहीं बचाया जा सका. साथियों ने तुरंत पुलिस को कॉल किया. बाद में पुलिस और ग्रामीणों ने पहुंचकर तलाश की और शव को कुंड से बाहर निकाला. इस स्थान पर पहले भी तीन-चार लोग हादसे का शिकार हो चुके हैं.

परिवार का इकलौता बेटा था श्रेयांश

जानकारी के मुताबिक श्रेयांश अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था. उसके पिता रीवा में आटा चक्की चलाते हैं और उसकी एक बहन रीवा मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रही है. परिजनों ने बताया कि उन्होंने श्रेयांश को महज 4 महीने पहले ही पढ़ाई के लिए इंदौर भेजा था. पिता को छात्र के मोबाइल से ही हादसे की जानकारी मिली, जिसके बाद बदहवास परिवार इंदौर पहुंचा.

हॉस्टल-फ्लैट में हो रही लगातार चोरी की वारदातें

- लैपटॉप-आईफोन सहित कई कीमती गैजेट हो रहे चोरी
- बाहर से आकर यहां पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्रा परेशान

इंदौर. शहर के अलग-अलग इलाकों में एक ही सप्ताह में हॉस्टल और फ्लैट से चोरी की कई वारदातें सामने आई. खुले दरवाजे और खिड़की से भीतर घुसे बदमाश महंगे मोबाइल, लैपटॉप और टैबलेट लेकर फरार हो गए. पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है.

संयोगितागंज, बाणगंगा और भंवरकुआं थाना क्षेत्रों में बीते दिनों चोरी की वारदातें बढ़ गई हैं. अधिकतर घटनाओं में चोरों ने कमरों का मेन गेट या खिड़की से कमरों में घुसकर कीमती इलेक्ट्रॉनिक गैजेट उड़ा लिए. सभी मामलों में पुलिस जांच कर रही है. जानकारी के अनुसार संयोगितागंज थाना क्षेत्र में ध्रुव सोलंकी ने शिकायत दर्ज कराई कि 21 नवंबर की सुबह उसके रूममेट के बाहर जाते समय मेन गेट खुला रह गया था. लगभग 7.30 बजे जब वह और उसका दोस्त अरिहंत जागे, तो कमरे से एचपी कंपनी का लैपटॉप, दस्तावेज और अरिहंत का आईफोन गायब था.

खिड़की से हाथ डालकर दरबाजा खोला और मोबाइल-टैबलेट ले उड़े चोर

इसी तरह की एक घटना बाणगंगा थाना क्षेत्र में भी हुई, यहां विशाल मेश्राम ने पुलिस को बताया कि 16 नवंबर की सुबह कोई अज्ञात व्यक्ति खिड़की से हाथ डालकर दरवाजा खोलकर घर में घुस गया. आरोपी वीवो मोबाइल और रियलमी पैड टू लाइट टैबलेट, कुल कीमत करीब 37 हजार रुपए, चोरी कर ले गया. वहीं दो अन्य घटनाएं भंवरकुंआ थाना क्षेत्र में भी हुईं, शिव शक्ति होम में रहने वाले सौभाग्य सिंह के कमरे का दरवाजा अज्ञात बदमाश ने खोल लिया और बेड पर रखा आईफोन 15 प्रो मैक्स चुरा लिया.

तीन रूममेट के मोबाइल पर चोर ने किया हाथ साफ

इसी थाना क्षेत्र के शिवमपुरी गेट स्थित राधा रेसिडेंसी में रात के समय अज्ञात आरोपियों ने कमरा खोलकर मंगल राठौर, उसके दोस्त पीयूष पांचाल और जयसिंह चौहान के मोबाइल फोन चोरी कर लिए. एक अन्य घटना में सिमरन आर्केड, रानी बाग में रहने वाले आदर्श यदुवंशी ने बताया कि रात 2 से सुबह 7 बजे के बीच अज्ञात चोर फ्लैट में घुसकर उनका लैपटॉप, मोबाइल और उनके रूममेट रोहित यदुवंशी का आईफोन चोरी कर ले गया. पुलिस का कहना है कि सभी घटनाओं के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संदिग्धों की तलाश जारी है.

डिप्रेशन में मेडिकल स्टोर संचालक ने दी जान

- निर्माणाधीन मकान से गिरकर श्रमिक की मौत

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के विभिन्न इलाकों से रविवार को चार दर्दनाक घटनाएं सामने आई. कहीं मानसिक तनाव से परेशान मेडिकल स्टोर संचालक ने जहरीली गोली खा ली, तो कहीं काम के दौरान असंतुलित होकर गिरने से श्रमिक की मौत हो गई. उधर, नशे में धुत बाइक सवार की लापरवाही ने एक बेग कारीगर की जान ले ली, जबकि खुड़ैल क्षेत्र में एक युवक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली. चारों मामलों में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

रावजी बाजार थाना क्षेत्र के साउथ तोड़ा में मेडिकल स्टोर संचालक 35 वर्षीय तौफीक ने लंबे समय से चल रहे कथित डिप्रेशन के कारण जहरीली गोली खाकर आत्महत्या कर ली. जांच अधिकारी ने बताया कि तौफीक मानसिक तनाव से जूझ रहा था. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में मर्ग कायम कर लिया है, आत्महत्या के वास्तविक कारणों की जांच जारी है. वहीं, तीन इमली इलाके में निर्माण कार्य के दौरान एक श्रमिक की मौत हो गई. मृतक 38 वर्षीय कमलेश, निवासी अशोकनगर, कुछ दिन पहले रोजगार की तलाश में इंदौर आया था. काम करते वक्त वह दूसरी मंजिल से अचानक नीचे गिर गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया. पुलिस हादसे में लापरवाही की संभावना सहित हर पहलू से जांच कर रही है.

युवक ने जहर खाकर किया सुसाइड

खुड़ैल क्षेत्र के ग्राम गारिया खुड़ेल में 26 वर्षीय जितेंद्र ने अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया. परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने केस दर्ज कर जहर खाने के पीछे के कारणों की जांच कर रही है.

शराबी बाइक सवार ने पैदल राहगीर को टक्कर मारी, मौत

इंदौर. नगर निगम सर्विस रोड पर हुई एक और घटना में 37 वर्षीय शैलेष, निवासी विजय नगर, को नशे में धुत एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी. बेग कारीगरी का काम करने वाला शैलेष पैदल जा रहा था कि अचानक आई बिना नंबर की एक बाइक ने उसे उड़ा दिया. गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. पुलिस ने आरोपी बाइक सवार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. शैलेष के परिवार में माता-पिता और एक बड़ा भाई है. पत्नी काफी पहले अलग हो चुकी है. विजय नगर पुलिस ने आरोपी बाइक सवार को पकड़ लिया है. मृतक के साथी नैतिक के मुताबिक आरोपी युवक नशे में धुत था. पूछताछ में वह बता रहा था कि उसके कई चालान पहले से लंबित हैं. पुलिस अब उससे पूछताछ कर जांच कर रही है.

हॉकी में छुपाकर कार में ले जा रहा था तलवार, पुलिस ने दबोचा

- पुलिस को वारदात की नीयत का शक, आर्म्स एक्ट में कार्रवाई

इंदौर. रात के समय की जा रही नियमित चेकिंग में पुलिस को असामाजिक तत्वों को पकड़ने में अच्छी सफलता मिल रही है. इसी तरह चेकिंग के दौरान बीती रात पलासिया पुलिस ने एक कार रोकी, जिसमें खेल उपकरण के नाम पर खतरनाक हथियार छिपाकर ले जाया जा रहा था. तलाशी के दौरान कार में रखी हॉकी स्टिक के अंदर तलवार रखी हुई निकली, इस पर पुलिस ने कार सवार युवक को तलवार और कार के साथ गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस के अनुसार, पलासिया चौराहे पर डीसीपी राजेश व्यास के निर्देशन में बीती रात पुलिस टीम वाहनों की जांच कर रही थी. इसी दौरान एक कार एमपी 13 सीवाई 681 को रोका. चालक कार से उतर गया, पुलिस ने डिक्की खोली तो उसमें एक हॉकी दिखाई दी. जवान को हॉकी असामान्य रूप से भारी लगी. शक होने पर उसने नीचे से स्टिक खींचकर देखा

तो उसके अंदर से तलवार बाहर निकल आई. पुलिस ने मौके पर ही 27 वर्षीय युवक अमन पिता जितेंद्र रावत, निवासी केईएच कंपाउंड, सीआरपी लाइन को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी के हथियार लेकर घूमने के उद्देश्य को लेकर पुलिस को संदेह है कि वह किसी वारदात की नीयत से निकल रहा था. फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है.

फरियादी भाई ने ही बयान पलटे हत्या के आरोपी हो गए दोषमुक्त

- चाकू मारकर हुई थी हत्या, सभी छह आरोपी सबूतों के अभाव में हुए बरी

इंदौर. खजराना क्षेत्र में चाकू मारकर की गई हत्या के एक मामले में पूरा मुकदमा उस समय कमजोर पड़ गया, जब मृतक का ही भाई जिसने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, ट्रायल के दौरान अपने ही बयानों से पलट गया. प्रमुख गवाहों के मुकरने और ठोस साक्ष्य पेश न हो पाने के कारण अदालत ने सभी छह आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया.

मामला 9 जून 2021 की रात करीब दस बजे जल्ला कॉलोनी का है. जानकारी के अनुसार ट्रैवल्स व्यवसाय से जुड़े वकील मंसूरी की घर के पास चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी. घटना से तीन दिन पहले मकान पर पत्थर फेंकने को लेकर वकील मंसूरी की पड़ोस में रहने वाले एक युवक से कहा-सुनी हुई थी. आरोप था कि इसी विवाद के बाद कुछ युवकों ने मिलकर हमला किया और वारदात के बाद मौके से फरार हो गए.

मामले में मृतक का भाई ही था फरियादी

पुलिस ने मृतक के भाई निसार मोहम्मद की रिपोर्ट पर छह व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर कोर्ट में चालान पेश किया था. लेकिन, सुनवाई के दौरान मृतक के भाई निसार मोहम्मद ने अदालत में पूर्व में दिए कथनों का समर्थन नहीं किया. प्रत्यक्षदर्शी गवाह भी आरोपियों की पहचान नहीं कर सके. अभियोजन पक्ष अतिरिक्त साक्ष्य भी उपलब्ध नहीं करा पाया, जिससे आरोप पुष्ट नहीं हो सके. इन परिस्थितियों में अपर सत्र न्यायाधीश सुनील अहिरवार की कोर्ट ने सभी आरोपियों शाहरुख उर्फ लाला, तालिब उर्फ तालिया, मुशर्रफ मिर्जा, सोहेल उर्फ बाबू, शाहरुख उर्फ बागड़ी और मोहम्मद समीर उर्फ कटैया को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया.

एक नजर में आय की तुलना में खर्च बढ़ने से लोग अपनी जीवन शैली में बदलाव करने को मजबूर

बढ़ती मंहगाई ने आम लोगों के बजट पर डाला सीधा असर

इंदौर. पिछले एक दशक में घरेलू सामग्रियों जैसे खाद्य पदार्थ, ईंधन, और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में काफी वृद्धि हुई है. बढ़ती महंगाई ने आम लोगों के बजट पर सीधा असर डाला है, जिससे कई लोगों को अपनी जीवन शैली और खर्चों में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ा है. जब खर्च बढ़ते हैं और आमदनी स्थिर रहती है या उस गति से नहीं बढ़ती, तो आर्थिक दबाव महसूस होना स्वाभाविक है.

इसी कारण महंगाई को नियंत्रित करने के लिए फिर से आवाजें उठ रही हैं.

मानव जीवन से जुड़ी घरेलू सामग्री यानी रसोई में लगने वाली रोजमर्रा की सामग्री जैसे दाल, चावल, आटा, गरम मसाले, चीनी, चाय पत्ती, तेल, रसोई गैस जैसी सभी सामग्रियों की कीमतों में बड़ा उछाल बरकरार है. ऐसे में मध्य निम्न और मजदूर वर्ग महंगाई की चक्की में पिस रहा है. पूर्व में जहां ग्रहणियां महीने पर घर आने वाली तनख्वाह में से कुछ राशि बचा भी लिया करती थीं, लेकिन महंगाई के चलते अब उन्हें गृहस्थी की गाड़ी चलाने के लिए छुटपुट कार्य भी करना पड़ रहा है. वहीं, पुरुष वर्ग की व्यथा यह है कि पिछले सात वर्षों में नौकरी पेशा के मासिक वेतन में कोई वृद्धि नहीं हो पाई है. कुल मिलाकर यह हुआ कि आमदनी की तुलना में महंगाई के कदम काफी तेज गति से चल रहे हैं. अपनी आर्थिक स्थिति और जीवन स्तर को बेहतर बनाने महंगाई को कम करने के लिए सरकार के सामने लोगों में आवाज उठ रही है.

यह बोले आम नागरिक...

पहले के समय में कमाई कम थी और घर में खाने वाले ज्यादा थे, फिर भी बरकत रहती थी. अब कितना भी काम करो और कमाओ, खर्चे बहुत ज्यादा हैं, क्योंकि महंगाई बढ़ गई है.

– यूनुस खान

पहले महिलाओं का सेविंग करना पुरुषों के लिए बहुत ही लाभदायक साबित होता था, लेकिन अब हालत यह हो गई है कि ज्यादा कमाने के बाद भी महंगाई की मार से कोई नहीं बच रहा. खर्चे पूरे नहीं हो रहे, बचत तो दूर की बात.

– रवि शिकरे

राशन कंट्रोल की सामग्री के अलावा बाकी कई जरूरतें होती हैं, महंगाई से हर वर्ग परेशान हो चुका है. केंद्र और राज्य सरकार को महंगाई कम करने के लिए नीति बनानी चाहिए और आम लोगों को राहत देना चाहिए.

– दशरथ मोरे